

वुजू (वूद)

रेटिंग: **TOP20**

विवरण:

श्रेणी: [पाठ](#) › [पूजा के कार्य](#) › [प्रार्थना](#)

द्वारा: NewMuslims.com

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

5

आवश्यक शर्तें

·हाल ही में परिवर्तित हुए लोग कैसे प्रार्थना करें (2 भाग)

उद्देश्य

·वुजू (वूद) के गुणों को समझना।

·पहले पाठ में, हमने वुजू (वूद) की मूल बातें पर चर्चा की। इस पाठ में, हम थोड़ा और विस्तार से वर्णन करेंगे कि वुजू कैसे करना है, और उस ???? का उल्लेख करेंगे जिसमें यह विधि मिलती है।

अरबी शब्द

·???? - पूजा का एक स्वेच्छकिक कार्य।

·हदीस - (बहुवचन - हदीसें) यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।

·वूद - वुजू।

वुजू के गुण

अल्लाह की परम कृपा है कि वह हमें कुछ कार्यों का आदेश देता है, और फिर वो कार्य करने पर पुरस्कार भी देता है। इसी तरह वुजू करने के भी कई गुण हैं, जैसे पापों की क्षमा से लेकर न्याय के दिनि

पहचाने जाने का प्रतीक। नमिनलखिति कुछ हदीसों के उदाहरण हैं जनिमें इन पुरस्कारों का उल्लेख कयिा गया है।

(1) अल्लाह के दूत (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) ने कहा:

“जब कोई मुसलमान या आसूतकि वुजू करता है और अपना चेहरा धोता है, तो वह हर छोटा पाप जो उसने देख कर कयिा था पानी (या पानी की आखरी बूंद) से धुल जाता है। जब वह अपने हाथ धोता है, तो उसके हाथों का हर पाप पानी से (या पानी की आखरी बूंद से) धुल जाता है। जब वह अपने पैर धोता है, तो उसके पैरों के हर पाप पानी से (या पानी की आखरी बूंद से) धुल जाते हैं, जब तक कविह शुद्ध और पाप मुक्त न हो जाए।” (मुसलमि)

(2) अल्लाह के दूत ने कहा:

“क्या मैं आपको ऐसे कार्य के बारे में बता दूँ जिसके द्वारा अल्लाह पापों को मटाता है और पद को बढ़ाता है? उन्होंने (उनके साथियों ने) कहा, 'निश्चिती रूप से, ऐ अल्लाह के दूत।' पैगंबर ने कहा, 'कठनि परसिथतियों में वुजू करना, मसूजदि की तरफ कदम बढ़ाना और एक नमाज करने के बाद अगली नमाज का इंतजार करना। यह रबिात है[1]।’” (सहीह मुसलमि)

(3) अल्लाह के दूत एक कबूर स्थल से गुजरे और कहा:

“आप पर शांति हो, आसूतकों का ठकिाना, और जल्द ही हम भी अगर अल्लाह ने चाहा तो, आप में शामिल होने वाले हैं। मुझे अपने भाइयों को देखना अच्छा लगता है।”

उनके साथियों ने कहा: “क्या हम आपके भाई नहीं हैं, अल्लाह के दूत?”

उन्होंने कहा: “तुम मेरे साथी हो; हमारे भाई वे हैं जो अब तक इस दुनिया में नहीं आए हैं।”

उनके साथियों ने कहा: “अल्लाह के दूत, आप अपने राष्ट्र के उन लोगों को कैसे पहचानोगे [प्रलय के दनि] जो अभी तक पैदा नहीं हुए हैं?”

उन्होंने उत्तर दिया: “मान लीजिए ककिसी व्यक्ति के पास घोड़े हैं जनि के माथे और पैरों पर सफेद नशान हैं और अन्य सभी घोड़े पुरे काले हैं। तो मुझे बताओ, क्या वह अपने घोड़ों को नहीं पहचानेगा?”

उनके साथियों ने कहा: "नश्चिती रूप से, ऐ अल्लाह के दूत।"

उन्होंने कहा: "उनके [जो अभी तक दुनिया में नहीं आए हैं] मुँह, हाथ और पैर वुजू करने के कारण सफ़ेद होंगे, और मैं उनसे पहले हौज^[2] पर पहुंचूंगा। जैसे आवारा ऊंटों को भगा दिया जाता है, वैसे ही कुछ लोग मेरे हौज से दूर भगा दिए जाएंगे। मैं पुकारूंगा: 'आओ, आओ।' तब मुझसे कहा जाएगा: 'इन लोगों ने आपके बाद धर्म (इसमें अलग से जोड़कर) को बदल दिया, और मैं कहूंगा: 'दूर रहो, दूर रहो।'"
(सहीह मुस्लिमि)

न्याय के दिन, मुसलमान अन्य लोगों से अलग दखिंगे क्योंकि वुजू के कारण उनके शरीर के अंग चमक रहे होंगे।

"मेरे लोगों को न्याय के दिन उपस्थिति होने के लिए बुलाया जाएगा जिनके चेहरों, हाँथ और पैर वुजू करने के कारण उज्ज्वल होंगे।" (अल-बुखारी)

वुजू करने की वधि

महान अल्लाह क़ुरआन में कहता है:

"ऐ वशिवासियों! जब नमाज़ के लिए खड़े हो, तो पहले अपने मुँह तथा हाथों को कुहनियों तक धो लो और अपने सरिों का मसह कर लो तथा अपने पावों को टखनों तक धो लो" (क़ुरआन 5:6)

पैगंबर मुहम्मद ने भी कहा:

"अल्लाह पवतिरता की अवस्था में हुए बनिा की गई किसी भी प्रार्थना को स्वीकार नहीं करता है।" (मुस्लिमि)

पैगंबर ने व्यावहारिक रूप से हमें सिखाया कि वुजू कैसे करना है, क्योंकि उन्हें क़ुरआन के रहस्योद्घाटन की व्याख्या करने के लिए भेजा गया था। नमिनलखिति चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका है जो बताती है कि वास्तव में क्या धोना है और कैसे, ये वभिनिन हदीस से एकत्र किया गया है।

(1) आपको मन में नश्चिती करना है कि आपको धार्मिक अशुद्धता की स्थितिसे पवतिर होना है^[3]। इसका मतलब यह है कि आपको यह सोचना चाहिए कि आप यह वुजू कर रहे हैं ताकि आप धार्मिक पवतिरता की स्थितिमें आ सकें। यह इरादा दिल में होना चाहिए, इसे बोलना नहीं है।

(2) अल्लाह के नाम से शुरू करें और पढ़ें 'बस्मिल्लाह'

(3) फिर अपने हाथों को तीन-तीन बार धोएं। शरीर के अंगों को धोते समय हमेशा दाईं तरफ से शुरू करना चाहिए।

(4) पानी को अपने मुंह के अंदर घुमाते हुए (गरारे करते हुए) तीन बार कुल्ला करें, और फिर अपने नथुने में थोड़ा पानी डालें और पानी को बाहर निकाल कर अपनी नाक को तीन बार धोएं। अपनी नाक से पानी निकालने के लिए अपने बाएं हाथ का प्रयोग करें।

(5) चेहरे को माथे के बाल से लेकर ठुड्डी और जबड़े की हड्डी तक, एक कान से ले कर दूसरे कान तक तीन बार धोएं। एक आदमी को अपनी दाढ़ी के बालों को गीला करना चाहिए क्योंकि यह चेहरे का हिस्सा है। अगर उसकी दाढ़ी पतली है तो उसे अंदर और बाहर से धोना है, और अगर यह मोटी है और त्वचा को ढकती है, तो सतह को धोना और अपनी गीली उंगलियों को दाढ़ी के बालों के बीच चलाना पर्याप्त है।

(6) फिर आपको अपने हाथों और बाहों को कोहनियों तक तीन बार धोना चाहिए, उंगलियों से शुरू करते हुए, नाखूनों सहित, कोहनी तक। हाथ धोने से पहले जो हाथों में जो कुछ भी लगा हो उसे हटाना आवश्यक है, जैसे आटा, मट्टी, पेंट, नेल पॉलिश, और कुछ भी जो पानी को त्वचा तक पहुंचने से रोक सकता है।

(7) फिर नए पानी से अपने सरि और कानों को पोंछ लें। सरि को पोंछने का तरीका यह है कि अपने गीले हाथों को अपने माथे पर रखें और अपने बालों/सरि के ऊपर से ले जाते हुए अपने सरि के पीछे (अपनी गर्दन के पीछे) तक ले जाएं, फिर उन्हें वापस उस स्थान पर लाएं जहां से शुरू किया था। आपने कुछ लोगों को अपनी गर्दन के पछिले हिस्से को पोंछते हुए भी देखा होगा। यह कुछ ऐसा है जैसे कई देशों के मुसलमानों ने अभ्यास में अपना लिया है और ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि पैगंबर ने हमें ऐसा करना नहीं सिखाया था। फिर अपनी तर्जनी उंगली को अपने कानों में डालें और अपने अंगूठे से कानों के पछिले हिस्से को पोंछ लें। अगर बाल लंबे हों, चाहे वे खुले हों या बंधे हों, इसकी पूरी लंबाई को पोंछना आवश्यक नहीं है, बल्कि ऊपर बताए अनुसार अपने हाथों को सरि के सामने से पीछे की ओर ले जाना है।

(8) फिर अपने पैरों को पैर की उंगलियों से लेकर टखनों तक तीन बार धोना चाहिए।

(9) आपको शरीर के अंगों को सही क्रम में धोना चाहिए, और ऐसा लगातार करना चाहिए, शरीर के प्रत्येक भाग को धोने के बीच एक लंबा समय नहीं लेना चाहिए।

शरीर के जिन अंगों को हमने तीन बार धोने को बोला है, वे दो बार या एक बार भी धोए जा सकते हैं, लेकिन जिन्हें हमने एक बार (सरि और कान) पोंछने को बोला है, उन्हें केवल एक बार पोंछना है।

पुरुषों और महिलाओं को एक ही तरह से वुजू करना है। जैसा कि आप में से अधिकांश लोग काम करते हैं, यह सीखना अच्छा रहेगा कि काम पर अपने मोजे उतारने की परेशानी से बचने के लिए मोजे के ऊपर कैसे वुजू करें। इसमें मूल रूप से हाथों को गीला कर के मोजे के ऊपर से (सिर्फ पैर के हिस्से पर, टांगो पर नहीं) गुजरना शामिल है। आप इसके बारे में और अधिक **यहां** से जान सकते हैं।

वुजू करने की अधिक प्रमाण अली की हदीस से मिलता है:

“फजर की नमाज़ पढ़ने के बाद, 'अली अंदर आये और छत पर बैठ गया, और फिर एक युवा लड़के से कहा: 'मेरे वुजू करने के लिए कुछ पानी लाओ।' लड़का उनके लिए एक कटोरा पानी और एक बेसनि लाया। 'अबद खैर ने कहा 'हम बैठे थे और उन्हें देख रहे थे।' उसने कहा: उन्होंने अपने दाहिने हाथ से बर्तन को पकड़ा और अपने बाएं हाथ पर पानी लिया, और अपने हाथों को कलाई तक धोया। उन्होंने दोबारा अपने दाहिने हाथ से बर्तन को पकड़ा और अपने बाएं हाथ पर पानी लिया, और अपने हाथों को कलाई तक धोया। उन्होंने अपने हाथ कटोरे के अंदर तब तक नहीं डाले जब तक कि उन्होंने दोनों हाथ तीन बार नहीं धोए।

फिर उन्होंने अपना दाहिना हाथ कटोरे में रखा और तीन बार कुल्ला किया और तीन बार नाक को धोया, नाक को धोने के लिए उन्होंने अपने बाएं हाथ का उपयोग किया।

उन्होंने तीन बार अपना चेहरा धोया, अपने दाहिने हाथ को तीन बार कोहनी तक और फिर अपने बाएं हाथ को तीन बार कोहनी तक धोया।

फिर उन्होंने अपना दाहिना हाथ कटोरे में डाल कर पानी निकाल लिया, और दाहिने हाथ में जितना पानी था उस से अपने बाएं हाथ को पोंछा, फिर उन्होंने एक बार दोनों हाथों से अपना सरि पोंछा।

उन्होंने अपने दाहिने हाथ से अपने दाहिने पैर पर तीन बार पानी डाला, उसे अपने बाएं हाथ से धोया, और फिर अपने दाहिने हाथ से अपने बाएं पैर पर तीन बार पानी डाला, उसे अपने बाएं हाथ से धो दिया।

तब उन्होंने कटोरे में हाथ डाला, और अपनी हथेली में थोड़ा सा पानी लेकर उसे पिया। फिर उन्होंने कहा, 'इस तरह अल्लाह के पैगंबर वुजू करते थे। जो कोई यह देखना चाहता है कि पैगंबर वुजू कैसे करते थे, तो ये रहा तरीका।' [???? ???? ??????]

समय के साथ, आप इन प्रार्थनाओं को सीख सकते हैं जो पैगंबर ने खुद किया और वुजू (वूदू) करने के बाद हमें करने को कहा।

1. "अश-हदु अल्लाह इल्लाह इल्लल्लाह वह दहु ला शरी-क लह व अशदुहु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहु व रसूलुहु"

"मैं गवाही देता हु के अल्लाह के सविा कोई माबूद नहीं। वह अकेला है उसका कोई शरीक नहीं। और मैं गवाही देता हु कि (हजरत) मुहम्मद सलल्लाहो अलैह विसल्लम अल्लाह के नेक बन्दे और आखरीं रसूल है।"

2. "अल्लाहुम्म जअलनी मनिा तव्वाबीन व जअलनी मीनल मुततातहहरिनि।"

"ऐ अल्लाह, मुझे उन लोगों में से बनाओ जो अक्सर आपके पास पश्चाताप करते हैं और मुझे शुद्ध रहने वालों में से बना।"

3. "सुभानक अल्लाहुम्मा वा बहिमदकि, अश-हदु अल्लाह इल्लाहा इल्ला अंत, अस्तगफरुिका व अतूबु इलैक।"

"ऐ अल्लाह आप कतिने पूरण हैं, और मैं आपकी प्रशंसा करता हूं, मैं गवाही देता हूं कि आपके अलावा कोई अन्य पूजा के लायक नहीं है, मैं आपकी क्षमा चाहता हूं और आपसे पश्चाताप करता हूं।"

फुटनोट:

[1] रबिात एक ऐसा शब्द है जो आम तौर पर दुश्मन के हमले से इस्लामी राष्ट्र की सीमाओं की 'रक्षा' को दर्शाता है, जिसका इस्लाम में बड़ा इनाम है।

[2] ससि्टर्न, या अरबी में 'हौद': वह जलाशय जिससे पैगंबर अपने अनुयायियों को न्याय के दनि दूध से अधिकि सफेद पेय देंगे, जिसके बाद उन्हें फरि कभी प्यास नहीं लगेगी।

[3] यह वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति पेशाब, शौच आदि करने के बाद चला जाता है।

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/5>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।